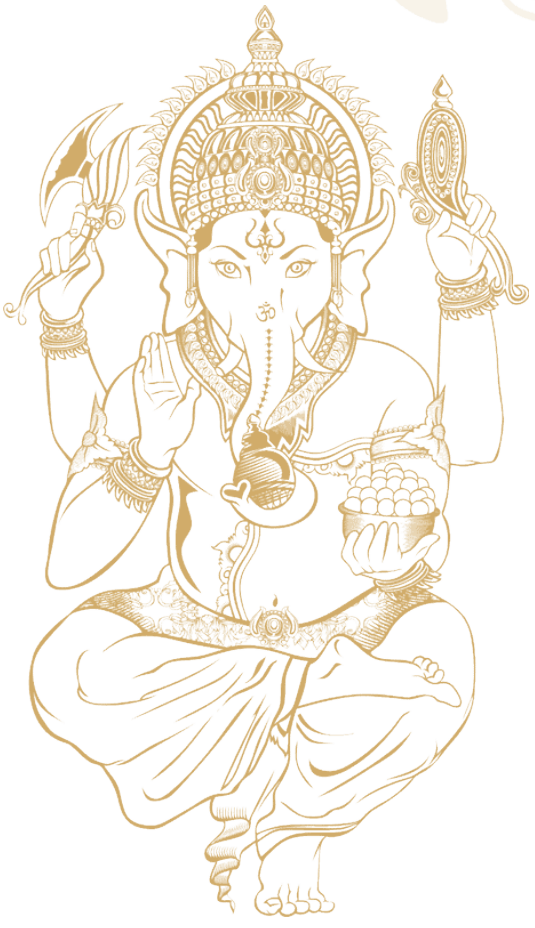

Rakesh

Janvi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121530303

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
03/10/1997	जन्म तिथि	26/09/2001
शुक्रवार	दिन	बुधवार
घंटे 14:06:00	जन्म समय	22:30:00 घंटे
घटी 18:38:27	जन्म समय(घटी)	39:43:53 घटी
India	देश	India
Rajkot	स्थान	Godhra
22:18:00 उत्तर	अक्षांश	22:49:00 उत्तर
70:53:00 पूर्व	रेखांश	73:40:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:46:28	स्थानिक संस्कार	-00:35:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:38:37	सूर्योदय	06:25:20
18:32:08	सूर्यास्त	18:27:41
23:49:28	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:35

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 1वर्ष 1मा 21दि		27:00:09	धनु	लग्न	वृष	21:42:12	सूर्य 1वर्ष 11मा 25दि	
गुरु		16:20:54	कन्या	सूर्य	कन्या	09:47:40	राहु	
24/11/2016		04:29:31	तुला	चंद्र	मक	05:35:15	21/09/2020	
24/11/2032		09:16:47	वृश्चि	मंगल	धनु	16:06:42	21/09/2038	
गुरु	12/01/2019	08:11:51	कन्या	बुध	तुला	04:27:43	राहु	04/06/2023
शनि	25/07/2021	18:18:25	मक व	गुरु	मिथु	19:40:12	गुरु	28/10/2025
बुध	31/10/2023	00:34:02	वृश्चि	शुक्र	सिंह	12:59:06	शनि	03/09/2028
केतु	06/10/2024	23:37:13	मीन व	शनि	वृष	21:05:34	बुध	23/03/2031
शुक्र	07/06/2027	25:52:19	सिंह व	राहु व	मिथु	07:59:15	केतु	10/04/2032
सूर्य	25/03/2028	25:52:19	कुंभ व	केतु व	धनु	07:59:15	शुक्र	10/04/2035
चन्द्र	25/07/2029	10:57:47	मक व	हर्ष व	मक	27:30:05	सूर्य	04/03/2036
मंगल	01/07/2030	03:21:54	मक व	नेप व	मक	12:14:24	चन्द्र	03/09/2037
राहु	24/11/2032	09:42:30	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	18:58:45	मंगल	21/09/2038

लग्न-चलित

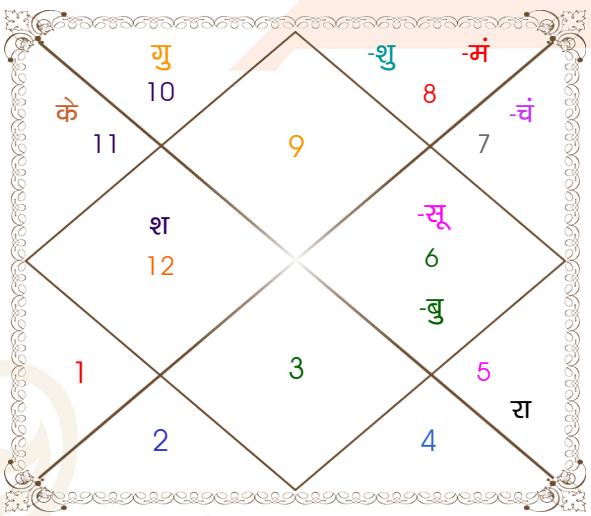

लग्न-चलित

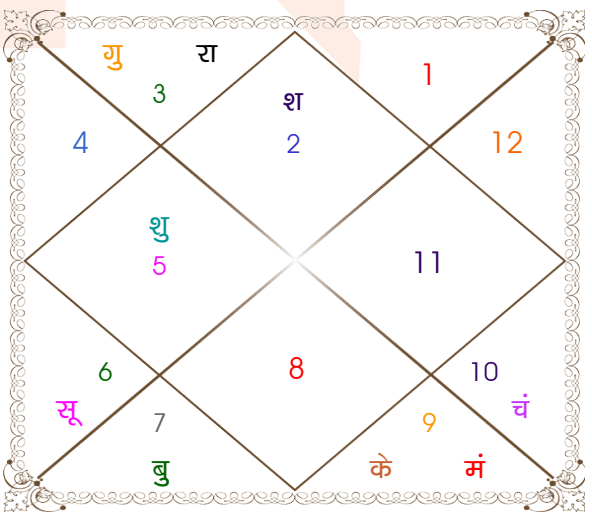

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	तुला	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

Rakesh का वर्ग मृग है तथा Janvi का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गो में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Rakesh और Janvi का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Rakesh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Rakesh कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Rakesh कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Janvi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

Rakesh तथा Janvi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।